शहरी विकास विभाग
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्रः दिल्ली सरकार
9वां तल, सी–विंग, दिल्ली सचिवालय, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली

410

विधायक का नाम : श्री रोहित मेहरोलिया

दिनांक : 30.07.2021

विधान सभा अतारांकित प्रश्न संख्या : 93

क्या शहरी विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :–

क्र. सं.	प्रश्न	उत्तर
क	पूर्वी दिल्ली नगर निगम द्वारा जल भराव से बचने के लिए क्या कदम उठाएं जा रहे हैं ?	**पूर्वी दिल्ली नगर निगमः**– यमुनापार क्षेत्र में मुख्य रूप से तीन एजेंसियां (पूर्वी दिल्ली नगर निगम, पीडब्ल्यूडी, सिंचांई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग) सभी नालों की मानसून से पहले सफाई करने के लिए जिम्मेदार है। पूर्वी दिल्ली नगर निगम की सभी नालियों का बहिर्वाह पीडब्ल्यूडी या सिचांई एवं बाढ नियंत्रण विभाग के नालों में होता है तथा ज्यादातर पीडब्ल्यूडी के नालों में होता है। यहां पर 4 फुट और उससे अधिक के 219नालें हैं जिनकी लम्बाई 121 किलोमीटर है। गाद निकालने का कार्य पहले ही पूरा हो चुका है। साईट निरीक्षण के अनुसार 46086 मेट्रिक टन गाद की मात्रा का अनुमान लगाया गया था और लगकभग 55002 मेट्रिक टन गाद पहले ही सिधोंला सिल्ट डमप साईट पर भेजी जा चुकी है। लगभग सभी नालों की सफाई का कार्य पूरा कर लिया गया है और नालों से निकाली गई गाद को साईट से उठा लिया गया है। कुछ निम्नलिखित प्रमुख नालों के प्रवाह को बनाये रखने के लिए विभागीय लेबर द्वारा तैरती हुई सामग्री को नियमित रूप से हटा दिया जाता है। 1. गोकलपुरी ड्रेन 2. एमएसबीएल ड्रेन 3. 52 क्यूसिक ड्रेन 4. गीता कॉलोनी ड्रेन 5. कस्तूरबा ड्रेन 6. त्रिलोकपुरी ड्रेन। नलों के अतिरिक्त विभिन्न स्थानों पर जहां निचली कॉलोनियों के अपशिष्ट जल को प्राकृतिक ढलान द्वारा बाहर नहीं निकाला जा सकता वहां पर पम्पों की अलग–अलग क्षमता वाले स्थाई पम्पिंग स्टेशन स्थापित किये गये हैं जोकि चौबीसो घन्टे काम कर रहे हैं। इन पम्पिंग स्टेशनों के सम्पवैल को सुपर सकर मशीनों से पहले ही साफ किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त विभाग में 180 पोर्टेबल पम्प भी उपलब्ध है और आवश्यकता के अनुसार जलभराव साईट पर तैनात किये जाते हैं।

Deputy Secretary (Admn.)
Urban Development Deptt.
Govt. of N.C.T. of Delhi
9th Level, Delhi Sectt.
New Delhi-110002